बांबू उत्पादन बढ़ाने से बदल सकती है विदर्भ की तकदीर : गडकरी

- 10 से 13 नवंबर तक कृषि प्रदर्शनी एग्रोविजन का आयोजन

व्यापार प्रतिनिधि | नागपुर

विदर्भ में बांबू से शर्ट का निर्माण किया जाता है, जो कॉटन के शर्ट से भी हल्का है। विदर्भ में बांबू का अच्छा खासा उत्पादन होता है। इसके माध्यम से विदर्भ के लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है। बांबू से इथेनॉल, सीएनजी, कपड़े, पेपर, अगरबत्ती की लकड़ी आदि का निर्माण किया जा सकता है। यदि विदर्भ में बांबू के विकास की ओर ध्यान दिया जाता है तो यहां की अर्थव्यवस्था और भी मजबूत हो सकती है। बांबू को खेतों में किनारे से लगाया जा सकता है, जिससे फसल की भी रक्षा होती है। राज्य सरकार ने बांबू को टीपी (ट्रांजिट पास) से मुक्त किया है। इससे परिवहन में भी कोई दिक्कत नहीं है। यह बात केंद्रीय सड़क परिवहन और जहाजरानी मंत्री नितीन गडकरी ने शनिवार को एक होटल में आयोजित पत्र-परिषद में व्यक्त किए। मध्य भारत की सबसे बड़ी कृषि प्रदर्शनी एग्रोविजन के आयोजन की जानकारी देने के लिए इस पत्र-परिषद का आयोजन किया गया था। प्रदर्शनी का आयोजन 10 से 13 नवंबर के बीच नागपुर के रेशमबाग मैदान में किया जाएगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे।

विदर्भ का इरिगेशन दोगुना करने पर थमेगी किसान आत्महत्या

गडकरी ने कहा कि, विदर्भ का इरिगेशन फिलहाल केवल 20 प्रतिशत है। यदि इसे दोगुना किया जाता है तो किसान आत्महत्या को रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि, नदियों को आपस में जोड़कर उनमें समुद्र का पानी छोड़ने की योजना बनाई जा रही है। जल्द ही काम भी शुरू हो जाएगा। उसी प्रकार दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि, हर परिवार में एक गाय होनी चाहिए, जिस दिन विदर्भ में 20 लाख लीटर दूध का उत्पादन होने लगेगा उस दिन संतुष्टी मिलेगी। साथ ही बताया कि, मदर डेयरी द्वारा विदर्भ के किसानों को दूध का अच्छा भाव दिया जा रहा है। जल्द ही मदर डेयरी के माध्यम से नागपुर का संतरा दिल्ली में बेचने पर विचार हो रहा है।

दिसंबर अंत तक शुरू होगा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का काम

गडकरी ने बताया कि, नागपुर में दिसंबर माह के अंत तक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का काम शुरू हो जाएगा। उसी प्रकार खापरी में लॉजिस्टिक हब बनाया जाएगा। जिसके लिए अपने खाते से 800 करोड़ रुपए देने की जानकारी उन्होंने दी। पर्यटन के विकास की दृष्टि से विदर्भ में एग्रो और फॉरेस्ट टूरिज्म को बढ़ावा देने पर उन्होंने जोर दिया। साथ ही बताया कि, वर्धा में 50 एकड़ जगह पर प्रायोगिक तौर पर आर्गेनिक कपास लगाया जाएगा। उसी प्रकार विदर्भ में गन्ने का उत्पादन बढ़ाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

एग्रोविजन में 21 विषयों पर कार्यशाला

एग्रोविजन के आयोजन सचिव रवि बोरटकर ने बताया कि, इस साल एग्रोविजन के आयोजन का नौवां वर्ष है। प्रदर्शनी में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली 400 से भी अधिक कृषि संबंधित कंपनियां, संशोधन संस्थाएं, नवउद्योजक, किसान, संशोधक, वित संस्था, कृषि विश्वविद्यालय, सरकार विभाग, सेवा देने वाली संस्थाओं का सहभाग रहेगा। उन्होंने बताया कि, एग्रोविजन में इस साल अलग से पशुधन कक्ष बनाया जाएगा, जहां भेड़ बकरियां, गाय, भैंस, मुर्गियां आदि पशुओं पर अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। उसी प्रकार 21 विषयों पर कार्यशालाओं के आयोजन की बात भी उन्होंने इस दौरान बताई। इस अवसर पर एग्रोविजन एप का लोकार्पण किया गया। जिसे डाउनलोड कर प्रदर्शनी के संबंध में संपूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है। पत्र-परिषद में पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, एग्रोविजन सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ. सी.डी.मायी, संयोजक गिरीश गांधी, पूर्व सांसद दत्ता मेघे, वेद के अध्यक्ष देवेन पारेख, विधायक अनिल बोंडे और रमेश मानकर उपस्थित थे।